रजिस्ट्री सं० डी०एल०-33004/98

REGD. NO. D.L.-33004/98

# भारत का राजपत्र
# The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 578 ] नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 7, 1998/भाद्र 16, 1920
No. 578 ] NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 7, 1998/BHADRA 16, 1920

## वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(पूंजी बाजार प्रभाग)

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 1998

**का.आ. 785(अ).**—भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) की धारा 20 के खंड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए प्रतिभूति के रूप में भारतीय औद्योगिक ऋण और निवेश निगम लि., मुम्बई द्वारा जारी किए जाने वाले छह सौ करोड़ रुपये से अनधिक के कुल मूल्य के डिबेंचर की प्रकृति के, जिन्हें निम्नलिखित रूप में वर्णित किया गया है :—

1. इनकैश बांड
2. टैक्स सेविंग बांड
3. रेगुलर इन्कम बांड
4. मनी मल्टीप्लायर बांड

अप्रतिभूत मोचनीय बांड प्राधिकृत करती है।

[एफ सं. 6/13/सी. एम./98]

यू. शरत् चन्द्रन, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

**(Department of Economic Affairs)**

**(Capital Market Division)**

## NOTIFICATION

New Delhi, the 7th September, 1998

**S.O. 785(E).**—In exercise of the powers conferred by clause (f) of section 20 of the Indian Trusts Act, 1882 (2 of 1882), the Central Government hereby authorises the Unsecured Redeemable Bonds in the nature of debentures described as :—

1. Encash Bond;
2. Tax Saving Bond;
3. Regular Income Bond;
4. Money Multiplier Bond,

of the total aggregate value not exceeding rupees six hundred crores only to be issued by the Industrial Credit and Investment Corporation of India Limited, Mumbai, as a security for the purposes of the said section.

[F. No. 6/13/CM/98]

U. SARAT CHANDRAN, Jt. Secy.



Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054—1998.